आज

30/04/2026

सीएसए के 8 छात्रों का 5.50 लाख सालाना पैकेज पर चयन

(आज समाचार सेवा)

कानपुर, 29 अप्रैल। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के सेवायोजन के निदेशक डा0 विजय कुमार यादव ने बताया कि विश्वविद्यालय के छात्रों का कैम्पस प्लेसमेन्ट लेने हेतु मधुसूदन डेयरी प्राइवेट लि. के सचिन तोमर ने एमबीए एग्री बिजनेस के प्रतिभागित लगभग 40 छात्रों की ऑनलाइन लिखित परीक्षा ली गयी उसके बाद ग्रुप डिस्कसन करने के उपरान्त कम्पनी के हेडक्वाटर में पर्सनल इन्टरव्यू लिया गया। साक्षात्कार प्रक्रिया पूर्ण होने के उपरान्त 8 छात्रों जिसमें मिस्टर आनन्द कुमार मौर्य, हेमंत तिवारी, गौरव सिह, पुष्करण चंदेल, अनुभव सिंह, वैभव शाक्य, अंकित चौधरी और अनिल कुमार यादव का चयन किया गया। है। कम्पनी ने सभी चयनित अभ्यर्थियों को सालाना 5.50 लाख के पैकेज के साथ ही अन्य सुविधाओं पदान की जायेगी। मधुसूदन एक अभरती हुई एग्री-बिजनेस कंपनी है जो कृषि उत्पाद, प्रोसेसिंग और सप्लाई चेन मैनेजमेन्ट में सक्रिय भूमिका निभा रही है। कम्पनी किसानो के साथ सीधे जुड़कर गुणवत्ता और दक्षता पर विशेष ध्यान देती है।सेवायोजन के निदेशक डा0 विजय कुमार यादव द्वारा यह भी अवगत कराया गया कि सिंजेंटा ग्रुप कम्पनी जो देश की ही नहीं बल्कि विश्व पटल पर अपनी पहचान रखती है, के द्वारा स्नातक, परास्नातक एवं एम0बी0ए0 के 50 छात्र-छात्राओं का ग्रुप डिस्कसन किया गया। इसके बाद पर्सनल इन्टरव्य के द्वारा 10 छात्र-छात्राओं को शार्टलिस्ट किया गया। इन सभी शार्टलिस्टेड छात्रों का एक बार हेड आर द्वारा ऑनलाइन पर्सनल इन्टरव्यू लिया जायेगा। जिसमें चयनित छात्रों को 5 से 6 लाख लाख का पैकेज दिया जायेगा। इस कड़ी में गुरुवार को सहज मिल्क प्राइवेट लिमिटेड कम्पनी का एम0बी0ए0 के छात्रों का एरिया सेल्स मैनेजन के पर के लिए साक्षात्कार होना सुनिश्चित हुआ है। देश की विख्यात अन्य कम्पनियों से कैम्पस ड्राइव तिथियो के निर्धारण हेतु कम्पनी के प्रतिनिधियों से वार्ता चल रही है। विश्वविद्यालय के कुलपति डा. संजीव गुप्ता ने इस प्रतिष्ठित कम्पनी में चयनित हुये छात्रों पर अपनी प्रसन्नता एवं उनके उज्जवल भविष्य की कामना व्यक्त की है।

कार्यक्रम में शामिल विद्यार्थी व शिक्षक।

हिंदुस्तान 30/04/2026

आठ छात्रों को मिला लाखों का पैकेज

कानपुर, प्रमुख संवाददाता। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (सीएसए) के आठ छात्र-छात्राओं को 5.50 लाख रुपये के आकर्षक पैकेज पर जॉब मिली है। विवि के सेवायोजन निदेशक डॉ. विजय कुमार यादव ने बताया कि प्लेसमेंट ड्राइव का आयोजन हुआ। जिसमें मधुसूदन डेयरी प्राइवेट लिमिटेड के सचिन तोमर ने एमबीए एग्री बिजनेस के लगभग 40 छात्रों की ऑनलाइन लिखित परीक्षा ली। इसके बाद ग्रुप डिस्कशन से चयनित छात्रों को कंपनी के हेडक्वार्टर में साक्षात्कार लिया गया। इसके आधार पर छात्र आनंद कुमार मौर्य, हेमंत तिवारी, गौरव सिंह, पुष्करण चंदेल, अनुभव सिंह, वैभव शाक्य, अंकित चौधरी और अनिल कुमार यादव का चयन किया गया। कंपनी सभी चयनित अभ्यर्थियों को 5.50 लाख रुपये के पैकेज के साथ ही अन्य सुविधाओं को भी प्रदान करेगी।

- सीएसए विश्वविद्यालय में प्लेसमेंट ड्राइव का किया गया आयोजन
- एमबीए एग्री बिजनेस के लगभग 40 छात्रों ने दी लिखित परीक्षा

मधुसूदन एग्री-बिजनेस कंपनी है, जो कृषि उत्पाद, प्रोसेसिंग और सप्लाई चेन मैनेजमेंट में सक्रिय भूमिका निभा रही है। डॉ. यादव ने बताया कि इसी तरह, सिंजेंटा ग्रुप कम्पनी ने 50 छात्र-छात्राओं की परीक्षा लेने के बाद दस छात्रों को शार्टलिस्ट किया है। इनका साक्षात्कार होना बाकी है। इसमें चयनित छात्रों को भी पांच से छह लाख रुपये के पैकेज पर जॉब दी जाएगी। उन्होंने बताया कि 30 अप्रैल को सहज मिल्क प्राइवेट लिमिटेड कंपनी भी प्लेसमेंट ड्राइव के लिए आ रही है। विवि के कुलपति डॉ. संजीव गुप्ता ने चयनित छात्रों को बधाई दी।

सीएसए में बुधवार को प्लेसमेंट ड्राइव के दौरान मौजूद छात्र और छात्राएं।

Times Of India 30/04/2026

Eight CSA students selected in campus placement: Eight students of Chandra Shekhar Azad University of Agriculture and Technology Kanpur have been selected for campus placement, informed director of Employment, CSA University Vijay Kumar Yadav. University vice-chancellor Sanjeev Gupta has expressed happiness over the students selected in this prestigious company and wished them a bright future. TNN

करने से मृदा के स्वास्थ्य एवं पर्यावरण पर ... प्रभाव पड़ता है साथ ही ... राजभर ने भारतीय दलहन अनुसंधान

परिचय कराते हुये कार्यक्रम के बारे में जानकारी दी। ... सुधारने हेतु जिप्सम के प्रयोग के

जलकुम्भी प्रयोग करने से मृदा में कार्बनिक ... एवं 35 कृषकों ने प्रतिभाग किया।

दीक्षालय प्रवाह 30/04/2026

सीएसए के 08 छात्रो का 5.50 लाख के पैकेज पर चयन

विश्वविद्यालय बम्पर प्लेसमेन्ट की तरफ अग्रसर

(संवाददाता दीक्षालय प्रवाह)

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के सेवायोजन के निदेशक डा० विजय कुमार यादव द्वारा अवगत कराया कि विश्वविद्यालय के छात्रों का कैम्पस प्लेसमेन्ट लेने हेतु मधुसूदन डेयरी प्राइवेट लि. के सचिन तोमर ने एम०बी०ए० एग्री बिजनेस के प्रतिभागित लगभग 40 छात्रो की ऑनलाइन लिखित परीक्षा ली गयी उसके पश्चात ग्रुप डिस्कसन करने के उपरान्त कम्पनी के हेडक्वाटर में पर्सनल इन्टरव्यू लिया गया। साक्षात्कार प्रक्रिया पूर्ण होने के उपरान्त 08 छात्रों जिसमें मिस्टर आनन्द कुमार मौर्य, हेमंत तिवारी, गौरव सिह, पुष्करण चंदेल, अनुभव सिंह, वैभव शाक्य, अंकित चौधरी और अनिल कुमार यादव का चयन किया गया। है। कम्पनी द्वारा सभी चयनित अभ्यर्थियों को रू0 5.50 लाख के पैकेज के साथ ही अन्य सुविधाओं पदान की जायेगी। मधुसूदन एक अभरती हुई एग्री–बिजनेस कंपनी है जो कृषि उत्पाद, प्रोसेसिंग और सप्लाई चेन मैनेजमेन्ट में सक्रिय भूमिका निभा रही है। कम्पनी किसानो के साथ सीधे जुड़कर गुणवत्ता और दक्षता पर विशेष ध्यान देती है। सेवायोजन के निदेशक डा० विजय कुमार यादव द्वारा यह भी अवगत कराया गया कि सिंजेंटा ग्रुप कम्पनी जो देश की ही नहीं बल्कि विश्व पटल पर अपनी पहचान रखती है, के द्वारा स्नातक, परास्नातक एवं एम०बी०ए० के 50 छात्र–छात्राओं का ग्रुप डिस्कसन किया गया। इसके बाद पर्सनल इन्टरव्य के द्वारा 10 छात्र/छात्राओं को शार्टलिस्ट किया गया। इन सभी शार्टलिस्टेड छात्रों का एक बार हेड आर द्वारा ऑनलाइन पर्सनल इन्टरव्यू लिया जायेगा। जिसमें चयनित छात्रों को 5.00–6.00 लाख का पैकेज दिया जायेगा। इस कड़ी में कल दिनांक 30.04.2026 के सहज मिल्क प्राइवेट लिमिटेड कम्पनी का एम०बी०ए० के छात्रों का एरिया सेल्स मैनेजन के पर हेतु साक्षात्कार होना सुनिश्चित हुआ है। देश की विख्यात अन्य कम्पनियों से कैम्पस ड्राइव तिथियो के निर्धारण हेतु कम्पनी के प्रतिनिधियों से वार्ता चल रही है। विश्वविद्यालय के कुलपति डा० संजीव गुप्ता ने इस प्रतिष्ठित कम्पनी में चयनित हुये छात्रो पर अपनी प्रसन्नता एवं उनके उज्वल भविष्य की कामना व्यक्त की है। इस सम्पूर्ण प्रक्रिया को सफल बनाने में श्री मुलायम सिंह, श्रीमती सरिता पाण्डेय का भी विशेष सहयोग सराहनीय रहा।

दैनिक जागरण 30/04/2026

सीएसए के आठ छात्रों को मिला 5.50 लाख का पैकेज

कानपुर : चन्द्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (सीएसए) के छात्रों को मधुसूदन डेयरी प्राइवेट लिमिटेड ने एमबीए एग्री बिजनेस के विद्यार्थियों के लिए चयन प्रक्रिया आयोजित की। इसमें आठ छात्रों का 5 .50 लाख रुपए वार्षिक पैकेज पर चयन किया है। सेवायोजन निदेशक डा . विजय कुमार यादव ने बताया कि करीब 40 छात्रों की लिखित परीक्षा, ग्रुप डिस्कशन और साक्षात्कार के बाद चयन किया गया। वि .

निरंतर लगे रहे ... । इस सम्पूर्ण प्रक्रिया को
कांग्रेस से जुड़ ... ने में श्री मुलायम सिंह,
नेता के रूप में ... पाण्डेय का भी विशेष
समिति के राष्ट्रीय ... हनीय रहा।

दीक्षालय प्रवाह 30/04/2026

किसानों को दिया टमाटर के मूल्यसंवर्धन पर प्रशिक्षण

(संवाददाता दीक्षालय प्रवाह)

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर द्वारा संचालित कृषि विज्ञान केंद्र दिलीप नगर के वैज्ञानिकों ने ग्राम सहतावनपूर्वा में आज टमाटर की तुड़ाई उपरांत मूल संवर्धन विषय पर प्रशिक्षण दिया। कृषक प्रशिक्षण शिविर में वैज्ञानिकों द्वारा टमाटर उत्पादक किसानों को फसल के बाद होने वाले नुकसान को कम करने और आय बढ़ाने के लिए मूल्य संवर्धन के विभिन्न तरीके बताए गए। इसका उद्देश्य टमाटर की फसल को सीधे बेचने के बजाय उसे प्रसंस्कृत कर अधिक मुनाफा कमाना है। उद्यान वैज्ञानिक डॉ अरुण कुमार सिंह ने टमाटर प्यूरी/सॉस बनाने के विषय पर विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि सूर्य की रोशनी या ड्रायर का उपयोग करके टमाटर को सुखाकर या पाउडर बनाकर संरक्षित किया जाता है। टमाटर का स्वादिष्ट अचार और चटनी बनाकर पैक करना। डॉ दीपक मिश्रा ने किसानों को बताया कि प्रसंस्करण से टमाटर की उत्पादकता पर शुद्ध लाभ में लगभग 22.95 प्रतिशत की वृद्धि हो सकती है। वैज्ञानिक डॉ शशिकांत ने बताया कि टमाटर एक जल्दी खराब होने वाली फसल है, प्रसंस्कृत उत्पाद इसे लंबे समय तक टिकने योग्य बनाते हैं। तथा ग्रामीण स्तर पर प्रसंस्करण इकाइयां स्थापित कर महिलाओं और युवाओं को रोजगार मिलता है। इस अवसर पर महिला/पुरुष सहित 30 से अधिक किसान उपस्थित रहे।

किसानों को दिया टमाटर के मूल्य संवर्धन पर प्रशिक्षण

(आज समाचार सेवा)

कानपुर, 29 अप्रैल। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय की ओर से संचालित कृषि विज्ञान केंद्र दिलीप नगर के वैज्ञानिकों ने ग्राम सहतावनपूर्वा में आज टमाटर की तुड़ाई उपरांत मूल संवर्धन विषय पर प्रशिक्षण दिया। कृषक प्रशिक्षण शिविर में वैज्ञानिकों ने टमाटर उत्पादक किसानों को फसल के बाद होने वाले नुकसान को कम करने और आय बढ़ाने के लिए मूल्य संवर्धन के विभिन्न तरीके बताएं। इसका उद्देश्य टमाटर की फसल को सीधे बेचने के बजाय उसे प्रसंस्कृत कर अधिक मुनाफा कमाना है। उद्यान वैज्ञानिक डॉ अरुण कुमार सिंह ने टमाटर प्यूरी, सॉस बनाने के विषय पर विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि सूर्य की रोशनी या ड्रायर का उपयोग करके टमाटर को सुखाकर या पाउडर बनाकर संरक्षित किया जाता है। टमाटर का स्वादिष्ट अचार और चटनी बनाकर पैक करना। डॉ दीपक मिश्रा ने किसानों को बताया कि प्रसंस्करण से टमाटर की उत्पादकता पर शुद्ध लाभ में लगभग 22.95 प्रतिशत की वृद्धि हो सकती है। वैज्ञानिक डॉ शशिकांत ने बताया कि टमाटर एक जल्दी खराब होने वाली फसल है, प्रसंस्कृत उत्पाद इसे लंबे समय तक टिकने योग्य बनाते हैं। तथा ग्रामीण स्तर पर प्रसंस्करण इकाइयां स्थापित कर महिलाओं और युवाओं को रोजगार मिलता है। इस अवसर पर महिला, पुरुष सहित 30 से अधिक किसान उपस्थित रहे।

किसानों को प्रशिक्षण देते वैज्ञानिक।

बहुभाषी दैनिक समाचार पत्र
दीक्षालय प्रवाह
!! अपना शहर !!
कानपुर गुरुवार/30.04.2026
E-mail :- deekshalayapravah@gmail.com

उर्वरकों के संतुलित उपयोग हेतु किसानों को किया जागरुक

चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के अधीन संचालित

(संवाददाता दीक्षालय प्रवाह)

कानपुर। जाजपुर बंजारा स्थित कृषि विज्ञान केंद्र द्वारा ग्राम जसमापुर में आयोजित विशेष जागरूकता अभियान के अंतर्गत फसलों में संतुलित उर्वरकों के प्रयोग पर कृषक एवं कृषक महिलाओं को भारतीय दलहन अनुसंधान संस्थान, कानपुर के प्रधान वैज्ञानिक डा० देवराज मिश्रा, वरिष्ठ वैज्ञानिक डा० विश्वजीत मंडल तथा वैज्ञानिक डा० आशिक दत्ता के साथ–साथ कृषि विज्ञान केन्द्र के वैज्ञानिकों डा० भूपेन्द्र कुमार सिंह–प्रभारी, डा० महेन्द्र राजभर, डा० जगदीश मिश्रा एवं डा० दिव्या कौशिक ने संतुलित उर्वरकों का प्रयोग पर विभिन्न जानकारी देकर कृषकों को जागरूक किया। वैज्ञानिक डा० देवराज मिश्रा जी ने भूमि की उर्वरा शक्ति को बनाये रखने हेतु संतुलित उर्वरकों के उपयोग के साथ–साथ फसल चक में ग्रीस्मकालीन दलहनी फसलों जैसे–मूंग, उर्द का समावेश करने पर जोर दिया। वैज्ञानिक डा० विश्वजीत मंडल ने बताया कि रसायनिक उर्वरकों का संतुलित प्रयोग करने के साथ–साथ फसलोत्पादन हेतु अच्छी प्रजातियो का चयन कर बुवाई करें। वैज्ञानिक डा० आशिक दत्ता ने बताया कि ऊसर भूमि को सुधारने के लिये जिप्सम के प्रयोग के साथ–साथ अच्छी प्रकार सड़ी हुयी गोबर की खाद एवं हरीखाद–दैचा का प्रयोग करने से मृदा का पी०एच० कम हो जाता है साथ ही मृदा जांच के पश्चात ही विभिन्न फसलों में आवश्यकता के अनुसार की संतुलित मात्रा में उर्वरकों का प्रयोग करें। केन्द्र के प्रभारी डा० भूपेन्द्र कुमार सिंह ने बताया कि आवश्यकता के ज्यादा रसायनिक उर्वरकों का प्रयोग करने से मृदा के स्वास्थ्य एवं पर्यावरण पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है साथ ही कृषकों पर अनावश्यक व्ययभार पड़ता है। कार्यक्रम का शुभारम्भ डा० महेन्द्र राजभर ने भारतीय दलहन अनुसंधान संस्थान, कानपुर के वैज्ञानिकों का परिचय कराते हुये कार्यक्रम के बारे में जानकारी दी। कार्यक्रम के अन्त में केन्द्र के मृदा वैज्ञानिक डा० जगदीश मिश्रा जी ने बताया कि ऊसर भूमि को सुधारने हेतु जिप्सम के प्रयोग के साथ–साथ धान का पुआल एवं जलकुम्भी प्रयोग करने से मृदा में कार्बनिक पदार्थों की मात्रा बढती है जिससे मृदा स्वास्थ्य में सुधार होता है। उक्त कार्यक्रम में 15 कृषक महिलाओं एवं 35 कृषकों ने प्रतिभाग किया।